भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान,

खण्डवा रोड, इंदौर-452001

फाइल नं: स्थापना दिवस/प्रेस नोट /**2020**/11 दिनांक: 10.12.2020

सोयाबीन की उन्नत उत्पादन तकनिकी एवं उन्नत प्रजातियों के विकास, बीज उत्पादन और संवर्धन के लिए प्रख्यात भा.कृ.अनु.प.-भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान, इंदौर में दिनांक 11 दिसंबर 2020 को अपने मुख्यालय में ज़ूम ऐप पर वर्चुअल मोड का उपयोग करते हुए 250 से अधिक शोधकर्ता, अधिकारी, विद्वान और संस्थान के कर्मचारी की ऑनलाइन उपस्थिथि में अपना 34 वां स्थापना दिवस मना रहा हैं.

संस्थान ने इस वर्ष से अपने स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम में अपने संस्थापक निदेशक, डॉ. प्रेम स्वरूप भटनागर के नाम पर "डॉ. प्रेम स्वरूप भटनागर स्मृति व्याख्यान का आयोजन किये जाने की शुरुवात की हैं, जिन्होंने संस्थान की स्थापना, संरचना, सुविधाओ का विकास एवं सोयाबीन फसल की प्रगति में अपना सम्पूर्ण वैज्ञानिक जीवन न केवल सेवा में रहते हुए, अपितु अपनी सेवानिवृत्ति के बाद भी अपनी अंतिम सांस तक दिनांक 5 अक्टूबर 2020 को सोयाबीन फसल को समर्पित किया । अतः इस वर्ष डॉ. पी.एस. भटनागर प्रथम स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया रहा है जिसमे भा.कृ.अनु.प. के पूर्व उप महानिदेशक (फसल विज्ञान), कृषि उत्पादन आयुक्त जैसे विभिन्न पदों पर सुशोभित एवं वर्तमान में श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर (राजस्थान) के माननीय कुलपति पद पर आसीन डॉ. प्रोफेसर जीत सिंह संधू यह व्याख्यान प्रस्तुत करेंगे. जबकि इस स्थापना दिवस समारोह में सी.एस.के. हिमाचल प्रदेश कृषि विश्व विद्यालय, पालमपुर के पूर्व कुलपति डॉ. एस.के.शर्मा, मुख्य अतिथि होंगे किए भूमिका निभाएंगे. साथ ही इस कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सहायक महानिदेशक, डॉ. एस. के. झा. भी गरिमामयी उपस्थिति देकर संबोधित करेंगे.

इस कायेक्रम के के अवसर पर भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान से जुड़े सोयाबीन की फसल और संस्थान के समग्र विकास में योगदान देने वाले का सेवानिवृत्त कमेचारियों जिन्होंने सम्मान किया जायेगा. साथ ही सोयाबीन की खेती किये जाने वाले प्रमुख राज्यों जैसे जैसे कर्नाटक, तेलंगाना, महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश से सोयाबीन का अधिकतम उत्पादन प्राप्त करने वाले कुल पाच प्रगतिशील कृषको को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह के साथ प्रगतिशील सोयाबीन किसान पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। इसके बाद संस्थान के व्याख्यान कक्ष को डॉ. पी.एस. भटनागर व्याख्यान कक्ष के नाम से समर्पित किया जाएगा। इस अवसर पर संस्थान द्वारा प्रकाशित राजभाषा पत्रिका "सोया वृत्तिका" तथा "सोयाबीन की खेती करने वाले प्रमुख राज्यों के प्रगतिशील कृषको की सफल कहानिया" शीषेक के दो प्रकाशनो का विमोचन किया जायेगा. इनमे से 'सोया वृत्तिका' मे संस्थान के कमेचारियो और उनके परिवार के सदस्यो के लेख, कविताएँ और विचार शामिल किये गए हैं जबकि अन्य प्रकाशन मे भारत के प्रमुख सोयाबीन उत्पादक राज्यों से प्रगतिशील सोयाबीन किसानों की 62 सफलता की कहानियों का संकलन किया गया हैं. तत्पश्चात संस्थान की नई जी.आई.जी.डब्ल्यू. और एस.टी.क्यू.सी. नई वेबसाइट का भी अनावरण कर इसे शोधकर्ताओं, विद्वानों और किसानों को समर्पित किया जायेगा।

कार्यक्रम की शुरुआत कार्यवाहक निदेशक डॉ. नीता खांडेकर द्वारा भारतीय सोयाबीन अनुसन्धान संस्थान की संक्षिप्त शोध उपलब्धियों के साथ की जाएगी तथा समापन इस समारोह के आयोजन सचिव डॉ. बी.यू. दूपारे, प्रमुख वैज्ञानिक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया जायेगा।